भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4033
गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024/28 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

भारत में उड़ान प्रशिक्षण

4033. श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस विचार से सहमत है कि भारत अपने विशाल भौगोलिक क्षेत्र और उड़ान प्रशिक्षण के लिए अनुकूल उत्कृष्ट मौसम दशाओं के कारण विश्व के लिए उड़ान प्रशिक्षण हेतु प्रमुख गंतव्य स्थल होना चाहिए;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि 1980 और 1990 के दशक में ईरान, जॉर्डन, फिलिस्तीन, अफगानिस्तान, श्रीलंका, भूटान और कई अन्य अफ्रीकी देशों से प्रशिक्षणार्थी भारत आते थे, सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारत में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अनुमोदित उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) में उड़ान प्रशिक्षण दिया जाता है।

सुरक्षा विनियामक होने के नाते डीजीसीए एफटीओ की स्थापना के लिए किसी विशिष्ट स्थल का प्रस्ताव नहीं करता है। व्यक्ति/संगठन उड़ान प्रशिक्षण के लिए एफटीओ की स्थापना हेतु वांछित स्थान/स्थल की पहचान करने और प्रस्ताव देने के लिए स्वतंत्र हैं, जो कि अन्य संबंधित संगठनों जैसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा), रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय (एमएचए) और हवाईअड्डा प्रचालक आदि से आवश्यक मंजूरी के अध्यधीन है।

(ग) मौजूदा विनियमों के अनुसार, विदेशी नागरिकों के लिए भारत में डीजीसीए द्वारा अनुमोदित एफटीओ में उड़ान प्रशिक्षण प्राप्त करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जो कि गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय (एमईए) आदि से मंजूरी के अध्यधीन है।

******